भैरहवा-नेपाल। महाशिवरात्रि के अवसर पर शिव ध्वज फहराते हुए सांसद आदित्य नारायण कसौधन, प्रमुख जिला अधिकारी विनोद प्रकाश सिंह, ब्र.कु. शान्ति, ब्र.कु. भूपेन्द्र अधिकारी, वरिष्ठ पत्रकार दिलीप भट्टराई तथा शहर के गणमान्य जन।

दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ह्युमन राइट्स काउंसिल तथा के.आर. मंगलम युनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी,चेयरपर्सन,वुमेन्स विंग,ब्रह्माकुमारीज़ को 'सेवेन्थ इंटरनेशनल वुमेन ऑफ करेज अवॉर्ड 2017' से सम्मानित करते हुए प्रो. आर.के. मित्तल,वाइस चांसलर,के.आर. मंगलम युनिवर्सिटी तथा ह्युमन राइट्स काउंसिल चेयरमैन डॉ. राजू एन्थोनी। साथ हैं ब्र.कु. डॉ. बिन्नी।

आगरा-उ.प्र.। होली के अवसर पर पालिवल पार्क में आयोजित होली स्नेह मिलन कार्यक्रम में भारतीय जन सुरक्षा समिति के सदस्य, ब्र.कु. मधु, ब्र.कु. माला तथा अन्य।

बहादुरगढ़-हरियाणा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर वैश्य कॉलेज में कार्यक्रम के पश्चात् कॉलेज स्टाफ के साथ ब्र.कु. विनीता तथा ब्र.कु. राजबाला।

बरवाला-हरियाणा। महाशिवरात्रि पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए बी.जे.पी. जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र पुनिया, ब्र.कु. इन्द्रा तथा अन्य गणमान्य अतिथि गण।

ब्रह्मपुर-ओडिशा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए के. माधवी,मेयर,म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, सेलीष्टेना बहन,प्रभारी,सेकरेड हार्ट हाउस, अपराजीता चौधरी,प्रोफेसर,होम साइंस, ब्र.कु. मनोरमा,सी.डी.पी.उ., ब्र.कु. मंजू तथा ब्र.कु. माला।

ईश्वर के ऐश्वर्य का असीम स्वरूप

- गतांक से आगे...

आज आप कोई गाँव में चले जाओ या कोई शहर में चले जाओ। लोग अंदाज़ा लगायेंगे कि इस व्यक्ति के बातों से ऐसा लगता है कि यहाँ से आया होगा। उसकी शक्ल से ऐसा लगता है कि यहाँ से आया होगा। इसके चलने-रहने के ढंग से ऐसा लगता है कि ये ऐसा होगा। अंदाज़ा लगा सकते हैं। लेकिन जब तक आप खुद जाकर अपना परिचय न दो तब तक कोई कैसे समझ पायेगा? जब आप अपना संपूर्ण परिचय देते हैं तब वो आपको समझ सकते हैं।

ठीक इसी तरह आज तक ईश्वर के बारे हर एक ने अपनी बुद्धि से अंदाज़ा लगाया। ईश्वर ऐसा हो सकता है...ऐसा हो सकता है ..... इसलिए आज इतने मत-मतांतर हो गये हैं ईश्वर के बारे में। जब अति धर्मग्लानि का समय होता है, तब वे अवतरित होकर के अपना परिचय देते हैं। अपने बारे में जानकारी देते हैं, संपूर्ण ज्ञान देते हैं और तब हम उसके यथार्थ स्वरूप को जान सकते हैं, पहचान सकते हैं और उनको याद कर सकते हैं। भगवान कहते हैं - ''मैं उन पर विशेष कृपा करते हुए उनके अज्ञान अंधकार के कारण को दूर करता हूँ''। अज्ञान अंधकार का कारण क्या है, ये बुराइयां काम, क्रोध, राग, द्वेष, मोह, ये सभी कारण हैं दु:ख के। इसलिए कहा कि अज्ञान अंधकार को दूर कर, ज्ञान के प्रकाशमान दीपक द्वारा, उन्हें मैं आत्मभाव में स्थित करता हूँ। अर्थात् आत्म स्वरूप में स्थित होने की विधि परमात्मा बतलाते हैं।

-ब्र.कु. उषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

फिर अर्जुन पूछता है कि हे प्रभु! आप परमधाम के वासी, परम पवित्र परम सत्य हो, आप अजन्मा, सर्वोच्च दिव्य शक्ति हो, महान ऋषि भी इस सत्य की पुष्टि करते हैं, आपने जो कुछ भी कहा उसे मैं पूर्णत: सत्य मानता हूँ, आपके दिव्य स्वरूप को न देवतागण, न असुर समझ सकते हैं। आप देवों के भी देव 'महादेव हो, त्रिलोकीनाथ हो'। अब अर्जुन को स्पष्ट हुआ कि परमात्मा का वह दिव्य स्वरूप क्या है। अर्जुन भगवान से आग्रह करता है कि कृपा करके विस्तार पूर्वक मुझे दैवी ऐश्वर्यों के बारे में बतायें, मैं किस तरह आपका निरंतर चिंतन करूं? आपका स्मरण किन-किन रूपों में किया जाए? ये मुझे स्पष्ट करो।

उसकी जिज्ञासा को देखते हुए भगवान उसे आगे बताते हैं कि हे अर्जुन! मेरा ऐश्वर्य असीम है। क्योंकि परमात्मा सर्वगुणों का सागर है, वह अनंत है। इसलिए परमात्मा अनंत गुणों का भंडार है, सर्व शक्तिमान भगवान कहते हैं, मेरा ऐश्वर्य असीम है, मैं आदि-मध्य-अंत का ज्ञाता हूँ। संसार के तीनों कालों को मैं जानता हूँ। सर्व आत्माओं में सर्वश्रेष्ठ परमात्मा है। फिर भगवान ने एक-एक करके इक्कीस श्रेणी में सर्वोच्च स्थिति का वर्णन कर अपने असीम स्वरूपों की विशेषतायें स्पष्ट की।

इक्कीस चीज़ों की जो विशेषतायें होती हैं उसके आधार पर कोई अपनी वास्तविकता का वर्णन करना चाहे तो कैसे? अर्थात् वो ऐश्वर्य जो आँखों से देखा नहीं जाता है। उनके ऐश्वर्य की असीम महिमा है, उसको कैसे वर्णन करें? इक्कीस बातों को, इसलिये इक्कीस चीज़ों को लेकर के एक-एक, चाहे वो भौतिक जगत की हो या आध्यात्मिक जगत की, का वर्णन करते हुए, सर्वोच्च स्थिति जो उसकी होती है, उससे अपनी तुलना की है। कहा, वह जैसे प्रकाशों में तेजस्वी सूर्य के समान है। अब भगवान अपने असीम ऐश्वर्य का वर्णन करते हैं कि मेरा दिव्य स्वरूप कैसा है? सारे प्रकाश, दुनिया में जितने भी सूर्य हैं, उसमें जो तेजस्वी सूर्य माना जाता है, ऐसे तेजस्वी सूर्य के समान मैं हूँ। - क्रमश:

माउंट आबू-राज.। माउंट आबू खेल समिति, एल.एस. स्पोर्ट्स अहमदाबाद, आर्मी, नगरपालिका तथा ब्रह्माकुमारीज़ के खेल प्रभाग के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्नि वर्गों के लिए आयोजित इंटरनेशनल ट्रेल हाफ मैराथन दौड़ में देश-विदेशों के सात सौ से अधिक धावकों ने भाग लिया। दौड़ के पश्चात् विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित करते हुए पोलोग्राउंड से पालिकाध्यक्ष सुरेश थिंगर, खेल प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. शशि, ग्लोबल हॉस्पिटल से डॉ. प्रताप मिड्ढा, ब्र.कु. रूपा, डी.एफ.ओ. के.जी. श्रीवास्तव, पालिका उपाध्यक्ष अर्चना दवे, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष ईश्वरचंद डागा, पार्षद मांगीलाल काबरा, सुनील आचार्य, टेकचंद भंभाणी तथा लियास त्रवेदी।

मिश्रिख तीर्थ-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए एस.डी.एम. प्रभाकांत जी। साथ हैं ब्र.कु. सरस्वती, ब्र.कु. रुक्मणि तथा ब्र.कु. भाई बहनें।

ख़्यालों के आईने में...

चेहरे की हँसी से गम को भुला दो
कम बोलो पर सब कुछ बता दो
खुद ना रूठो पर सबको हँसा दो
यही राज़ है ज़िन्दगी का
जियो और जीना सिखा दो।

रिश्ते पैसों के मोहताज़ नहीं होते
क्योंकि कुछ रिश्ते
मुनाफ़ा नहीं देते
पर जीवन अमीर ज़रूर बना देते हैं!

चार वेदों का अर्थ जानो या
ना जानो, कोई बात नहीं।
परंतु
समझदारी, जवाबदारी,
वफ़ादारी, और ईमानदारी,
इन चार शब्दों का मर्म जानो
तो जीवन सार्थक हो जाये।